उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि0

उत्तराखंड राज्य के विकास का शक्तिस्त्रोत...

राज्य गठन के छह वर्षों के अल्प समय में ही उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि0 ने जल विद्युत के क्षेत्र में अपनी विकासोन्मुखी सोच एवं सामर्थ्यवान क्षमता प्रदर्शित करते हुए अपनी एक अलग पहचान बना ली है। इसके गठन का उददेश्य उत्तराखण्ड को ऊर्जा प्रदेश बनाना तथा राज्य को विद्युत उत्पादन की नई ऊँचाइियों की ओर ले जाने के लिए राज्य की जल विद्युत क्षमता का अन्वेषण करना है। उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि0 ने वाणिज्यिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए अपने क्रियाकलापों का निर्धारण किया है एवं इस लक्ष्य को पाने हेतु सब से पहले अपने पुराने उत्पादन गृहों का एक वृहद नवीनीकरण, उच्चीकरण एवं जीर्णोदार कार्यक्रम द्वारा आयु एवं उत्पादन बढाने की प्रक्रिया को प्रारम्भ किया है। उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि0 वर्तमान में अपनी स्थापित क्षमता के विस्तार हेतु तेजी से अग्रसर है। अगले दस वर्षों से भी कम समय में उसका लक्ष्य अपनी वर्तमान क्षमता को साढ़े तीन गुना अधिक बढ़ाना है।

उत्तराखण्ड में जल विद्युत के विकास में सहयोग

नई परियोजनाओं/स्थलों का विकास (क्षमताऐं पुनरांकलन के अन्तर्गत)		नई परियोजनाओं का निर्माण /परिचालन	पुराने विद्युत गृहों का व्यापक नवीनीकरण	
200 मे0वा0 से कम	**200 मे0वा0 से अधिक**			
आराकोट त्यूनी (81 मे0वा0)	भैरोंघाटी (381 मे0वा0)	मनेरी भाली (304 मे0वा0) **(परिचालित)**	मोहम्मदपुर (9.3 मे0वा0)	छिबरो (240 मे0वा0)
त्यूनी प्लासू (66 मे0वा0)	तमक लाता (280 मे0वा0)		गलोगी (3 मे0वा0)	चीला (144 मे0वा0)
तालुका सांकरी (141 मे0वा0)	सेला उर्थिंग (230 मे0वा0)	पाला मनेरी (480 मे0वा0)	पथरी (20.40 मे0वा0)	खोदरी (120 मे0वा0)
	बवाला नन्दप्रयाग (300 मे0वा0)		ढकरानी (33.75 मे0वा0)	कुल्हाल (30 मे0वा0)
नन्दप्रयाग लंगासू (99 मे0वा0)	सरकरी भ्योल रूपसियाबगढ़ (210 मे0वा0)	लखवाड़ व्यासी(420 मे0वा0)	रामगंगा (198 मे0वा0)	खटीमा (41.4 मे0वा0)
			ढालीपुर (51 मे0वा0)	तिलोथ (90 मे0वा0)

उत्तराखण्ड के आन्तरिक एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विकास हेतू लघु जल विद्युत परियोजनाओं का विस्तार

- **लघु जल विद्युत परियोजनाऐं**

उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि0 के अन्तर्गत वर्तमान में 21.05 मे0वा0 की कुल 21 लघु जल विद्युत परियोजनायें परिचालन में हैं। साथ ही 39.5 मे0वा0 की 7 लघु जल विद्युत परियोजनाओं पर निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अतिरिक्त 50.10 मे0वा0 क्षमता की 08 लघु जल विद्युत परियोजनाओं का विकास कार्य भी प्रगति पर है। निगम को हस्तान्तरित बन्द पडी परियोजनाओं के पुनरोद्धार का कार्य भी चल रहा है। 4 लघु जल विद्युत परियोजनाओं में एशियाई विकास बैक की वित्तिय सहायता से निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है।

परिचालन के अन्तर्गत लघु जल विद्युत परियोजनाएं: कोटाबाग (0.20 मे0वा0), गौड़ी (0.20 मे0वा0), तिलवाड़ा (0.20 मे0वा0), हर्शिल (0.20 मे0वा0), सप्तेश्वर (0.30 मे0वा0), गरांव (0.30 मे0वा0), छड़नदेव (0.40 मे0वा0), थराली (0.40 मे0वा0), सोनप्रयाग (0.50 मे0वा0), तालेश्वर (0.60 मे0वा0), बरार (0.75 मे0वा0), सुरिंगगाड (0.80 मे0वा0), तपोवन (0.80 मे0वा0), कुलागाड (1.20 मे0वा0), बद्रीनाथ–।। (1.25 मे0वा0), छिरकिला (1.50 मे0वा0), कन्चौटी (2.0 मे0वा0), पिलनगाड (2.25 मे0वा0), रेलागाड (3.0 मे0वा0), उरगम (3.0 मे0वा0)। जुम्मागाड (1.2 मे0वा0)

निर्माणाधीन लघु जल विद्युत परियोजनाएं : दुनाव (1.50 मे0वा0), असीगंगा द्वितीय (4.5 मे0वा0), कालीगंगा–प्रथम (4.0 मे0वा0), असीगंगा–। (4.50 मे0वा0), कालीगंगा–।। (6.0 मे0वा0), मध्यमहेश्वर (10.0 मे0वा0), काल्दीगाड (9.0 मे0वा0)।

विकासाधीन लघु जल विद्युत परियोजनाएं : सोनागाड (3.00 मे0वा0), असीगंगा–।।। (7.3 मे0वा0), सुरिंगाड–।। (5.0 मे0वा0), उरगम–।। (3.8 मे0वा0), पैनागाड (4.0 मे0वा0), पिलनगाड–।। (4.0 मे0वा0), तांकुल (12.0 मे0वा0), भिलंगना–।। (11.0 मे0वा0)

आर0 एम0 यू0 के अर्न्तगत लघु जल विद्युत परियोजनाएं : कोटी (0.20 मे0वा0), पांडूकेश्वर (0.75 मे0वा0), चमोली एवं चमोली विस्तार (0.80मे0वा0), गंगोरी (0.80मे0वा0)।

पुर्नस्थापन के अर्न्तगत लघु जल विद्युत परियोजनाएं : सोबला–। (8.0 मे0वा0)।

उत्तराखण्ड सरकार की नीतियों के अंतर्गत विकासकर्ताओं के समूह द्वारा नई परियोजनाओं के विकास में उत्तराखण्ड सरकार का सहयोग

टी0एच0डी0सी0	एन0एच0पी0सी0	एन0टी0पी0सी0	एस0जे0वी0एन0एल0	निजी विकासकर्ता		
विष्णुगाड पीपलकोटी	कोटली भेल	लोहारीनाग पाला	देवसारी बांध	विष्णु प्रयाग	अलकनन्दा	गौरीकुंड
किशाऊ बांध				श्रीनगर	मपांग बोगूडियार	फाटा व्यूंग
मलेरी झेलम	खरतोली लम्टी तल्ली	लाता तपोवन	जखोल सांकरी	हनोल त्यूनी	बोगूडियार सरकारी भ्योल	जिम्बागाड
जाडगंगा						नंदाकिनी
झेलम तामक	चुंगरचाल	तपोवन विष्णु गाड	नैटवाड़ मोरी	उर्थिंग सोबला	सिंगोली भटवाड़ी	विरहीगंगा–।
करमोली						
बोकांग बेलिंग	गर्बा तवाघाट	रूपसियाबगड खसियाबाडा		रामबाड़ा	मोरी हनोल	विरहीगंगा –।।
गोहनाताल						

UJVNL

जल विद्युत के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के स्तर के कुशल मानव संसाधन के विकास में संलग्न

’ क्षमता वृद्धि ’उत्पादकता एवं कार्यप्रदर्शन का परिमापन ’अभियंताओं का प्रशिक्षण एवं वैश्विक संपर्क
’तकनीकी कार्यों पर विशेश ध्यान केन्द्रित करने हेतु सांगठनिक ढांचे का पुनर्गठन

मुख्यालयः ''उज्जवल'', महारानी बाग, जी.एम.एस. रोड, देहरादून, उत्तराखंड–248006

दूरभाश : 91 135 2523100 फैक्स : 91 135 2763507 वेबसाइट: http//www.uttaranchaljalvidyut.com